



# भारत का अख्तर

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 17, 1992/पौष 27, 1913

No. 12] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 17, 1992/PAUSA 27, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य भंडालिय

क्रम प्रक्रिया पुस्तक

मन्त्री

संगोष्ठन

मं. 1990--93

(खण्ड--1) की

पृष्ठ संख्या

सार्वजनिक सूचना मं. 267—भाई दी मी (पी.एस.)/90--93

1	2	3	4
---	---	---	---

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

(1) 305

परिविज्ञ-21-ब

वर्तमान परिविज्ञ 21-ब  
के बाद परिविज्ञ 21-ब  
और परिविज्ञ 21-ब  
जोड़े जाएंगे जैसा कि  
प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना  
के उपावन्ध--1 और  
उपावन्ध--2 में निहित  
है।

वि :- प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड--1) ।

फाइल सं. 12/33/91—ही पी सी—वाणिज्य भंडालिय की  
सार्वजनिक सूचना संख्या 2—भाई दी मी (पी.एस.)/90—93 दिनांक  
30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित गया संस्कृत प्रक्रिया पुस्तक  
1990—93 (खण्ड--1) की ओर द्वान भास्करित किया जाता है।

3. उपर्युक्त संगोष्ठन सार्वजनिक हित में किए गए हैं।

ह. /-

दी. शार. महता, मूल्य निपत्रक, सार्वजनिक

उपायमंडल—1

परिचय—21-व्र

स्वर्ण अग्रवाय लाइसेंसिंग योजना के अंतर्गत  
निष्पादित किए जाने वाले नियंत्रित आधारों  
का क्षतिपूर्ति-सह-गारण्टी बंध पत्र फार्म  
(प्रेषित माल की प्रत्येक खेपवार)

(आयातक और गारण्टी देने वाले वैक, जो एक अनुसूचित वैक हो,  
द्वारा कम से कम 15 रुपय मूल्य या किसी ऐसी धनराशि, जो  
संबंधित राज्य के स्टाम्प कोक्टर द्वारा निर्धारित हो, के धनराशि द्वारा स्टाम्प  
पेपर पर निष्पादित किया जाएगा)।

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति  
मान्यता से

मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित (जिसमें संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-  
नियंत्रित/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित या ऐसा कोई ग्रन्थ लाइसेंसिंग  
प्राधिकारी जो उस समय के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित/  
उप मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित के कर्तव्यों के नियादत के लिए प्राधिकृत  
हो, शामिल समझे जाएंगे)

पाणिय मंत्रालय (पुरा पता) पिन कोड  
महृषि विलेख पहले भाग के पक्षकार

(नीचे दिए गए अनुदेशों के अनुसार आयातक/आयातकर्ता वैक का पूरा-पूरा  
नाम पूरे पते सहित) (इसके बाद आयातक के रूप में उल्लेख किया जाएगा  
जिसमें वारिस, उत्तराधिकारियों, प्रशासकों, भर्तारों परिसमापक तथा  
झन्मेय व्यक्तियों को शामिल समझा जाएगा) और;

मूसरे भाग के पक्षकार

(गारण्टीकर्ता वैक का पूरा विवरण, कावलिय या शाखा के पूरे पते भवित  
जिससे गारण्टी बंधपत्र निष्पादित किया जा रहा हो) (इसके बाद  
“गारण्टी कर्ता” के रूप में उल्लेख किया जाएगा जिसमें उत्तराधिकारियों  
भवित्वान परिसमापक सभा प्रशासनों को शामिल नमझा जाएगा)  
द्वारा—माह—दिन—  
को निष्पादित किया गया।

उपर्युक्त नाम के पक्षकार सरकार के लिखित मांग पर सरकार को  
भुगतान की जाने वाली—फूपवे (अंकों और शब्दों में)  
की धनराशि के लिए ग्रन्थ नियंत्रक, आयात-नियंत्रित वाणिज्य मंत्रालय  
(जिसमें संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित/उप मुख्य नियंत्रक आयात-  
नियंत्रित या ऐसा कोई ग्रन्थ लाइसेंसिंग प्राधिकारी जो उस समय के लिए  
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित/उप ग्रन्थ नियंत्रक आयात-नियंत्रित  
के कर्तव्यों के नियादत के लिए प्राधिकृत हो, शामिल समझे जाएंगे (जिसे  
इसके बाद ‘भर्ता’ कहा जाएगा) की ओर से भारत के राष्ट्रपति के  
प्रति संयुक्त रूप से तथा अन्य-प्रकार रूप में भावन्द हैं।

जबकि उपर्युक्त नाम वाले आयातक ने भारत सरकार द्वारा अधिसूचित  
स्वर्ण अग्रवाय लाइसेंसिंग योजना के अंतर्गत स्वर्ण अग्रवाय लाइसेंस के लिए  
शावेदत किया गया है।

जबकि सरकार ने आयातक को 0.995 ग्रूडवा का स्वर्ण आयात  
रेट की अनुमति दें दी है और पूर्वोक्त योजना में विनियोजित शब्दों के अनु-  
तार उक्त भद्र के लिए—अमरीकी डालर (अंकों  
और शब्दों दोनों में) मूल्य का स्वर्ण अग्रवाय लाइसेंस में—

दिनांक—जारी करने के लिए वसंत सहमत हो गई है।

और जबकि आयातक माल नामश: 8 कैरेट तथा इससे अधिक के अंतर  
अमरीकी डालर (प.एस. में नियंत्रित आभार  
का पूरा मूल्य निर्धारित करें) मूल्य के साथ/जड़ित स्वर्ण आभूषण के नियंत्रित  
के लिए सहमत हो गया है।

और जबकि आयातक अमरीकी डालर के नियंत्रित आभार वाले स्वर्ण अग्रवाय लाइसेंस जारी करने के लिए सरकार की सहमत को व्यापार में रखकर अतिप्रति सह-गारण्टी “बंधपत्र” प्रस्तुत करने के लिए सहमत हो गया है। आयातक यहां नीचे नियंत्रित आभार की धनराशि के बराबर विवेशी मुद्रा अभिजित करने के लिए भी सहमत हो गया है।

जबकि गारण्टीकर्ता उक्त लाइसेंस को जारी करने के लिए सरकार की सहमति को व्यापार में रखकर सरकार की मांग पर गारण्टीकूदा धनराशि का भुगतान करने के लिए सहमत और बदलवद है।

और जबकि आयातक नियंत्रित आभार निष्पादित करने तथा—  
अमरीकी डालर में जहाज पर्याप्त निःशुल्क की सीमा तक विवेशी मुद्रा की  
उत्तराधिकृत करने के लिए सहमत है। लाइसेंस पर पृष्ठाकृत आयात के प्रत्येक  
बोप में पृष्ठक रूप से वह नियंत्रित आभार होगा जिसे आयातक को नीचे  
दी गई शब्दों पर 8 कैरेट तथा इससे अधिक के साथ/जड़ित स्वर्ण आभूषण  
का नियंत्रित करके स्वर्ण के प्रत्येक बोप की निकासी की तारीख से 120  
दिनों की अवधि के भीतर पूरा करना होगा—

(क) (1) कि आयातक पहले बताए गए अनुसार प्रत्येक आयात के  
120 दिनों के भीतर सामान्य मुद्रा भेज के देशों में 8 कैरेट  
और इससे अधिक के साथ/जड़ित स्वर्ण आभूषण का नियंत्रित  
करके अमरीकी डालर में धनराशि-परेषण के अनुसार प्रत्येक  
बोप के नियंत्रित आभार के निवृहत के लिए अमरीकी  
डालर में पर्याप्त विवेशी मुद्रा अभिजित करेगा और अमरीकी  
डालर में विवेशी मुद्रा की उपाधी करेगा। भूटान को किए  
जाने वाले नियंत्रित से नियंत्रित आभार में छूट नहीं भिन्नी तथा  
नेपाल को किए जाने वाले नियंत्रित में यदि भुगतान मुक्त  
विवेशी मुद्रा (अमरीकी डालर में) के अनावा अन्य प्रकार से  
किया जाता है तो नियंत्रित आभार में छूट नहीं भिन्नी। इस  
प्रयोजन के लिए अमरीकी डालर में अभिजित की गई विवेशी मुद्रा  
को 8 कैरेट तथा इससे अधिक के साथ/जड़ित स्वर्ण आभूषण के  
नियंत्रित के परिणामस्वरूप अमरीकी डालर में प्राप्त हुई विवेशी  
मुद्रा के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(2) यह कि पूर्वोक्त नियंत्रित आभार प्रत्येक बोप की निकासी की  
तारीख से शुरू होगा।

(3) यह कि आयातक को जारी किया गया उक्त स्वर्ण अग्रवाय  
लाइसेंस भहस्तातरणीय रहेगा।

(4) आयात की प्रत्येक बोप की निकासी की अनुमति के पहले  
आयातक को (0.999 ग्रूडवा वाले स्वर्ण के अंत इंट्रीय  
और अरेनू मूल्य के नीचे का अंतर) के बराबर की धनराशि की  
एक बैक गारण्टी प्रस्तुत करनी होगी। यदि आयातक यथा-  
नियंत्रित अपने आभार को पूरा नहीं कर पाएगा तो उक्त  
बैक गारण्टी पूरी या कमी के बराबर जबर कर ली जाएगी।

(5) यह कि उक्त आयातक इस क्षतिपूर्ति-सह-गारण्टी बंध पत्र की  
शब्दों को पूरा करने में अमरीकी डालर में अभिजित विवेशी  
मुद्रा के समर्थन में उक्त 120 दिनों की समाप्ति की तारीख

से एक माह के भीतर संबंधित संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति को नियंति साइप्र प्रस्तुत करेगा या प्रस्तुत करवाएगा जैसे कि राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक के मूल प्रभागपत्र जिनमें नियंति आधारों के पूरा करने में उक्त माल के नियंतों के मद्दे अमरीकी डालर में विदेशी मुद्रा की उगाही विलाई गई हो और अन्य ऐसे दस्तावेज जो मंयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति द्वारा साध्य के रूप में मार्गे जाएं।

(क) यह कि नियंत्रक आगे सहमत है और बचन देता है कि आयातक द्वारा नियंति दायित्व अथवा अधीक्षित जैसा कि स्वर्ण प्रग्राम लाइसेंसिंग योजना के अंतर्गत विनियोजित यातों में विहित है, को पूरा करने में चूक करने की दशा में सरकार आयातक के खिलाफ आयातित माल को जल्द छासे संबंधी कानूनी कार्रवाई कर सकती है और आयात-नियाति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 तथा आयात नियंत्रण यादेश, 1955 के उपबन्धों के अंतर्गत सरकार को प्राप्त अन्य अधिकारों व सरकार द्वारा उपर्युक्त आयात के संबंध में तंयार किए गए अन्य प्रावधानों/नियमों के अंतर्गत कार्रवाई कर सकती है। आगे आयातक सहमत है कि जनिकरण कार्रवाई सरकार द्वारा किसी भी स्तर पर नियंति दायित्व अधिकार के पूर्व यथा इसके पूरा होने के बावजूद मुर्क की जा सकती है।

(च) यह कि आयातक हस्तों आगे सहमत है और बचन देता है कि कोई भी चूक करने पर वह आयात-नियाति नीति/प्रक्रिया पुस्तक के और आयात-नियाति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 व इसके प्रधीन बनाए गए नियमों के सभी शण्डाटमक उपबन्धों का पालन करेगा जो उनके खिलाफ चूक करने की स्थिति में सरकार के साथू किए निर्णय के अनुसार किये जा सकते हैं; सरकार का वहु निर्णय आयातक पर मन्त्रित और बाध्यकर होगा।

अब उपर्युक्त बन्धपत्र की यातों निम्न प्रकार हैं :—

(1) यह कि आयातक सरकार द्वारा अधिसूचित योजना के तहत सभी दायित्वों में विनियिष्ट यातों नया आयात लाइसेंस में और इसमें ऊपर विनियिष्ट प्रथा विहित यातों का इमानदारी से अनुसालत करेगा।

(2) यह कि हम गारंटीकर्ता बैंक एतद्वारा स्पष्ट रूप में और अपरिवर्तनीय रूप से यह बचन देते हैं और गारंटी देते हैं कि यदि आयातक लाइसेंसिंग योजना के अंतर्गत दायित्वों को पूर्णतः अथवा अंतर्गत पूरा करने में असफल रहता है अथवा यदि आयातक लाइसेंस की यातों और आयात-नियाति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) अधियोग के अंतर्गत बनाए गए नियमों अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत अपेक्षित जानकारी देने में भ्रमर्थ रहता है अथवा आयातक लाइसेंस/योजना आविष्ये में विनियिष्ट ऐसी किसी भी शर्त को पूर्ण करने में असफल रहता है जिसके कारण उक्त अनुरागी पूरी अथवा इसके भाग के रूप में सरकार द्वारा विनियित रूप में मांग की जाए तो हम गारंटीदाता कोई भी आपत्ति किए बिना और आयातक को सुविल किए बिना सरकार को अथवा इस संबंध में सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को सरकार द्वारा आयातक से भागी गई किसी भी धनराशि आ भुगतान करेंगे जैसे—  
— चौप की अधिकतम धनराशि की भुगतान की अनिपूर्ति भी करेंगे।

(3) यह कि आयातक के विरुद्ध प्रत्यक्षतः किसी अधिकार के हाते हुए भी और आयातक के द्वारा फिलो भी रूप में उठाए गए किसी विवाद के होते हुए भी सरकार विनियित मांग में गारंटी देने वाले बैंक को इस संबंध में आवश्यक व्योरा दिया जाएगा कि उपर्युक्त लाइसेंस की यातों के अंतर्गत जिसमें ऊपर विनियिष्ट यातों भी शामिल हैं, गारंटी देने वाले से भुगतान की मांग की जाती है और सरकार द्वारा की गई ऐसी मांग गारंटी देने वाले बैंक के लिए अनिम और बाध्यकर होगी।

(4) यह कि सरकार और आयातक के बीच किसी प्रकार की व्यवस्था होते से परिवर्तन होने से आयातक की स्वीकृति अथवा जानकारी अथवा आयातक के दायित्वों में किसी परिवर्तन सहित या इनके बिना सरकार द्वारा आयातक पर किसी प्रकार के प्रत्युम्भ अथवा आयातक के दायित्वों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन में अथवा भुगतान समय सीमा, निष्पादन के संबंध में किसी भी प्रकार के स्थगन अथवा अन्य किसी भी स्थगन के कारण गारंटीदाता बैंक इस बचनपत्र तथा गारंटी से रिहा अथवा नहीं किया जाएगा।

(5) यह कि गारंटीकर्ता बैंक द्वारा की गई वह गारंटी तब तक बैंक और पूर्ण रूप से लागू रहेगी जब तक कि ऊपर विनियिष्ट यातों सहित उपर्युक्त लाइसेंस के अधीन सभी दायित्वों का नियंत्रित सरकार की पूर्ण तुलित के प्रत्युम्भ नहीं हो जाए और उस तुलित की सूचना दरकार द्वारा गारंटीकर्ता बैंक को दियी देंदी जाती।

(6) यह कि आयातक द्वारा ऊपर नामित क्षतिपूर्ति बंधपत्र और गारंटीकर्ता बैंक द्वारा दो गई गारंटी तत्त्व क्षतिपूर्ति सह-गारंटी बंधपत्र होती और इन्हें आयातक के या गारंटीकर्ता बैंक के विवाद में किसी प्रकार के परिवर्तन होने से नियमित नहीं किया जाएगा। आगे इसे आयातक और गारंटीकर्ता बैंक द्वारा दिये गए इस क्षतिपूर्ति सह-गारंटीबंध पत्र में यह अधिकार मुरक्कत किया जाता है कि सरकार या सरकार की ओर में प्राधिकृत किसी अधिकारी की विनियित मांग प्राप्त होने पर इस क्षतिपूर्ति सह-गारंटी बंध पत्र के अधीन गारंटीकर्ता बैंक द्वारा सरकार को उसी समय मुक्तान करना होगा।

(7) यह कि यदि आयातक बचन दिए गए नियंति दायित्व को पूर्ण करने में या अपरोक्षतानुसार विदेशी मुद्रा की बस्तूलों में असमर्थ रहता है तो उक्त आयातक, संबंधित संयुक्त उप मुख्य नियंत्रक आयात-नियाति, नहीं दिल्ली के मन्दिरेश पर सरकार मुख्य नियंत्रक आयात-नियाति सहित) द्वारा नामित की जाने वाली किसी भी एजेंटों को किसी भी रूप में विक्रय के लिए उसके पास बचे बिना उपयोग किए हुए आयातित माल को और ऐसी विक्री से प्राप्ति राशि को उक्त द्वारा किए गए अन्य-अन्य लाभों और सामान्य लाभाली काटने के बाद नियंति दायित्व की पूर्ति के रूप में सरकार के पास जाया कराएगा। उक्त मूल्य के बारे में ऐसी एजेंसों का निर्णय अंतिम और आयातक पर बाध्यकारी होगा।

(8) यह कि आयातक आगे यह बचन देता है कि उक्त राशि के प्रतिरक्षित कलर संरक्षित आयात लाइसेंस के मूल्य के समतुल्य राशि को या उक्त साइरेंस के मूले

आयात किए गए माल की सीमा तक इनमें जो भी अधिक है, के साथ-साथ सरकार को—की अतिपूर्ति द्वारा भुगतान करेगा और मंयुक्त मुक्त नियंत्रक आयात-नियंत्रित/उप सुधू नियंत्रक आयात-नियंत्रित का निर्णय अंतिम और आयातक के लिए बाढ़करी होगा।

- (9) यह कि ऊपर नामित आयातक और गारंटीकर्ता बैंक द्वारा इस अतिपूर्ति सह-गारंटी बंधपत्र का निष्पादन लौकिकता से संबंधित कार्य के लिए किया गया है।
- (10) यह कि इस अतिपूर्ति सह-गारंटी बंधपत्र के बहुत सरकार द्वारा गारंटीकर्ता बैंक से मांगी गई राशि के भुगतान का ऐसी किसी अन्य कार्रवाई के लिए आयातक की जिम्मेदारी पर प्रभाव नहीं होगा जिसमें आयातित माल की जल्दी के लिए कानूनी कार्रवाई आरम्भ करने सहित आगे लाइसेंस भ देने तथा यासांशीधित आयात एवं नियंत्रित (नियंत्रण) आवेदन, 1947 तथा संगोष्ठित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955 के प्रावधानों के तहत अन्य सभी जिम्मेदारियों तथा जुरानों और परिणाम संबंधी आयात आपार नियंत्रण विनियमों के तहत सरकार द्वारा नियंत्रित सभी कार्रवाई शामिल है।
- (11) यह कि अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र में निहित आयातक प्रभाव गारंटीकर्ता बैंक के सभी वायित्व 1951 पुनर्नामनार्थ सरकार की पूर्ण और अंतिम दुष्टि तक पूरे हो जाने और सरकार द्वारा गारंटीकर्ता बैंक को इसकी सूचना देने के बावजूद उपर्युक्त अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र गिरजत हो जाएगा।
- (12) यह कि अतिपूर्ति सह-गारंटी बंधपत्र और इसमें निहित आयातक और गारंटी देने वाले बैंक के दायित्व 2 वर्षों की अवधि के लिए पूर्णतः लागू रहेंगे और यदि उपर्युक्त अवधि में आयातक के सभी दायित्व सरकार की दुष्टि के अनुसार पूर्ण रूप से और अस्तित्व रूप से विधिवत् निष्पादित नहीं होते हैं तो गारंटी देने वाला बैंक और आयातक इस अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र की वैश्वता की अवधि को सरकार द्वारा अनुकूल आगे बढ़ाने के लिए पुनर्नवीकरण करने और पुनः लागू करने के लिए सहमत हैं और बचन देने हैं। इस बंधपत्र पर उपर्युक्त नाम की पार्टियों के साक्ष में उपर्युक्त नाम के आयातक और गारंटी देने वाले बैंक द्वारा आज—199—दिन—199—को हस्ताक्षर किए गए, सील लगाई गई और निम्नलिखित को उत्पादन में सुनुद किया गया।

\* साक्ष्य :

1. —————— 1. —————— (आयातक/आयातक कर्म का पूरा और विस्तृत व्यौरा)  
(प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट/नोटरी पब्लिक ड्वारा साक्षात्कृत/प्रभिष्ठ किया जाए)
2. ——————
1. —————— 2. —————— (गारंटी देने वाले बैंक का पूरा और विस्तृत व्यौरा)  
राष्ट्रीय बैंक अनुमूलिक बैंक की शैर से प्राधिकृत बैंक का अधिकारी और बैंक की सील सहित

### टिप्पणी

आयातक और बैंक के लिए :

1. यदि आयातक मूल स्वामित्व की कर्म हो तो अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र उपर्युक्त स्वामित्व की कर्म के मूल स्वामी द्वारा निष्पादित किया जाए जिसमें उसका पूरा स्थायी पता हो।
2. यदि आयातक मूल स्वामित्व की कर्म हो तो अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र भागीदारी विलेख विनिर्दिष्ट भवस्त भागीदारों प्रभवा प्रबन्ध-भागीदारों के माध्यम से भागीदारी कर्म के नाम में निष्पादित किया जाए।
3. यदि आयातक लिमिटेड कर्मनी हो तो अतिपूर्ति-सह-गारंटी बंधपत्र लिमिटेड कर्मनी के कार्यकारी निवेशक प्रभवा प्रबन्ध-निवेशक द्वारा निष्पादित किया जाए और उस पर कर्मनी की सील भी लगाई जाए।

(“जो लागू न हो उसे काट दे)

### उपाधिक 2

#### परिषिष्ट 21-ज

स्वर्ण प्रभवा लाइसेंस की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र का प्राप्त

(साथे स्वर्ण प्रभवों और ज़िहित स्वर्ण प्रभवों के नियंत्रित के लिए प्राप्त-प्रलग-प्रलग भेजा जाए)

1. आवेदक का नाम और पता
2. उधोग का नाम :

  - (1) फैक्टरी का पता और स्थान
  - (2) उसमें विनिर्मित अन्तिम उत्पाद का नाम

3. आपार संस्था का स्वरूप क्या वह प्रिलिक कर्मनी प्रभवा प्राइवेट लि. कर्मनी है प्रभवा भागीदारी आपार संस्था है।
4. निवेशकों, भागीदारों, प्रोप्राइटरों प्रभवा अविभाजित हिस्से प्राइवेट लि. कर्मनी है प्रभवा भागीदारी द्वारा उत्पाद के नाम, जैसा भी मामला हो।
5. क्या आप विनिर्माता नियंत्रित/आपारी नियंत्रित/नियंत्रित गृह/आपार गृह/स्टार आपार गृह हैं ?
6. (1) नियंत्रित संबंध परिषद/पण वस्तु बोर्ड/एक आर्टी भी द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्राप्त की संश्या और लारीच और वह लारीच जिस तक वह वैध हो
- (2) उत्पाद युप जिसके लिए पंजीकृत है

7. यदि निर्यात गृह/ व्यापार गृह/स्टार व्यापार गृह है तो निर्यात गृह/व्यापार गृह/स्टार व्यापार गृह प्रमाण पद की संडेश थीरतारीख का उल्लेख करें और वह तारीख भी दें जब तक वह थी तो ।

8. यदि विनिर्माता निर्यातक है तो निम्नलिखित द्वारा आवंटित पंजीकरण संख्या;

- ( 1 ) तकनीकी विकास भवानिदेशालय की सूची- वड़े पर्सी व मामले में तकनीकी विकास भवानिदेशालय
- ( 2 ) लशु भार कुटीर यूनिटों के मामले में उपयोग राशि निर्देशक
- ( 3 ) विनिर्माता के साथ यूनिट को प्रतीकृत करने में सक्षम कोई अन्य प्राधिकरण

9. आवेदन शुल्क के भुगतान के लिए बैंक रसीद दिमांड ड्राइव संभाल और भारीख (मूल वैक रसीद/दिमांड ड्राइव नस्तों करें)

10. ( 1 ) आवेदित नामों का नाइमेंस का नामगत बोमा-भाड़ा पूर्ण
 

- ( 2 ) आधार किए जाने वाले माल का व्योग

11. यदा आवेदन पत्र कियी विभिन्न नियोन आवेदन के महे हैं ? यदि हो तो उन्नेव करें :

- ( 1 ) निर्यात आदेश (आदेशों) द्वारा कवर की गई नियोन को मदें (नियोन आदेश की प्रति संनान करें)
- ( 2 ) जहाज पर्वत नि शुल्क मूल्य
- ( 3 ) विवेदो खरीदार का नाम आदेश नशा निर्यात के देश का नाम
- ( 4 ) निर्यात आदेश (आदेशों) द्वारा कवर किये गये निर्यात उत्पाद (उत्पादों) की डिलिवरी प्रवृद्धि
- ( 5 ) भुगतान की विदि का उल्लेख
- ( 6 ) आवेदन पत्र द्वारा कवर किए गए निर्यात पर विदेशी एजेन्ट को भुगतान किए गए अधिकार किए जाने वाले कमीशन अधिकारियों की डिस्काउन्ट की राशि

12. मूल लिभारतः—

- ( 1 ) पूर्ववर्ती निर्यातों का विवरण/निम्नलिखित व्योरा देते हुए विवरणी मंलग्न करें:—
  - ( क ) पूर्ववर्ती नीन लाइसेंसिंग वर्षों में (प्रत्येक वर्ष के लिए अलग-भलग) स्वर्ण नावे/जहिर आपूर्षणों का व्योरा
- ( अ ) निर्यात का जहाज पर्वत निःशुल्क मूल्य ( अपर ( 1 ) के संबंध में उत्पादवार (प्रत्येक वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के लिए जहाज पर्वत निःशुल्क मूल्य जिसके लिए लाइसेंस अपेक्षित है )
- ( अ ) निर्यात किए जाने वाले जर्पाइ का जहाज पर्वत निःशुल्क मूल्य जिसके लिए लाइसेंस अपेक्षित है ।
- ( अ ) आवेदक द्वारा उसी उत्पाद के निर्यात किए गए उत्पाद के प्रश्नातन निर्यात का यूनिट मूल्य (निर्यात की तारीख भी दें) ।
- ( 2 ) यदा इससे पूर्व काई स्वर्ण अधिकार लाइसेंस जारी किया गया था ।
- ( 3 ) यदि हो, तो क्या लाइसेंस के महे निर्यात शायद अभी भी पूरा करना बकाया है ।
- ( 4 ) यदि नियोन आधार पूर्णतया ना प्राप्तिक पूरा किया जाना हो तो कृपया निम्नानुसार उनका बोरा दें ।—
- ( 5 ) लाइसेंस सं. तथा सार्वज
- ( 6 ) लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम
- ( 7 ) निर्यात आधार पूरा करने के लिए अनुचित समय कीमा
- ( 8 ) निर्यातिन किए गए निर्यात आधार का लाइसेंसकार मूल्य
- ( 9 ) प्रत्येक लाइसेंस के महे पहले से पूरा किए गए निर्यात आधार का मूल्य
- ( 10 ) निर्यात आधार पूरा न करने के कारण ।
- ( 11 ) अप्रयुक्त स्वर्ण अधिकार लाइसेंसों का कुल लागत बोमा-भाड़ा मूल्य जिसके मद्दे आयात न किए गए हों ।
- ( 12 ) स्वर्ण अधिकार लाइसेंसों का कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य जिसके लिए आयात आवेदन पत्र लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के पास समित पड़े हों ।

#### धोकणा

1. मैं/हम एतद्वारा धोकणा करता हूँ/करते हैं कि यदि यह लाइसेंस प्रदान किया जाता है तो माल का प्रयोग केवल कच्चे माल के रूप में उपयोग के लिए किया जाएगा ।
2. मैं/हम एतद्वारा धोकणा करता हूँ/करते हैं कि उक्त कथन मेरी/ हमारी प्राधिकार नातकारों द्वारा विकास के आधार स्थूल एवं ठाक है । मैं/हम पूर्णता जानता हूँ/जानते हैं कि यदि वह आम जाए

कि कोई भी विवरण या उसमें दिए गए तथ्य गवत या सूचे हैं तो विए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें मंजूर किया गया कार्य भी वाइसेंस निरस्त किया जाए या ऐसे किसी जुमानी, जो सरकार लगा रक्के या अन्य कार्य भी कार्रवाई जी मामले की परिस्थितियों को देखते हुए नी जा सके, के प्रतिरक्षित वाइसेंस नियमाबाब्दी कर दिया जाए।

हस्ताक्षर

नाम अर्थे अक्षरों में

परनाम

पूरा ग्रावर्डीय पता

स्थान

विनांक

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 267-ITC (PN)/90-93

New Delhi, the 17th January, 1992

Subject : Hand Book of Procedures, 1990-93 (Vol. I).

File No. 12/33/91-E PC.—Attention is invited to the Hand Book of Procedures, 1990-93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2 ITC(PN)/90-93 dated the 30th March, 1990 as amended.

2. The following amendments shall be made in the said Hand Book at appropriate places indicated below:

Sl. No.	Page No. of Handbook of Procedures, 1990-93 (Vol I)	Reference		Amendments
		1	2	
(1)	305	Appendix XXI-F	3	4
				After the existing Appendix XXI-F, Appendix XXI-G and Appendix XXI, H as contained in Annexe-I and Annexe-II to this Public Notice, shall be added.

3. The above amendments have been made in public interest.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports

## ANNEXURE-I

## APPENDIX XXI-G

## INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM OF EXPORT OBLIGATIONS TO BE EXECUTED UNDER THE GOLD IMPREST LICENSING SCHEME (EACH CONSIGNMENT-WISE).

(To be executed by the importer and guarantor bank which should be a scheduled bank, on a non-judicial stamp paper of minimum value of Rs. 15 or any amount as may be prescribed by the Stamp Collector of the respective State).

To

The President of India,  
Through

The Chief Controller of Imports & Exports (which expression shall be deemed to include the JCCI&E|DCCI&E or any other licensing authority for the time being authorised to perform the duties of JCCI&E|DCCI&E).

Ministry of Commerce, (Full Address), Pin Code.

This DEED Executed on \_\_\_\_\_ day \_\_\_\_\_ of Month \_\_\_\_\_ By \_\_\_\_\_ (full expanded name of the importer/importer-firm with complete address, as per the instructions given below) (hereinafter referred to as 'importer' which expression shall be deemed to include the heirs, successors, administrators, official liquidator and permitted assigns) party of first part and ;

\_\_\_\_\_ (full expanded description of the Guarantor Bank with complete address of the office or Branch from which the Guarantee Bond is being executed) (hereinafter referred to as 'Guarantor' which expression shall be deemed to include the successors, official Liquidator and administrators) party of the second part.

The above named parties are jointly and severally held and firmly bound to the President of India acting through the Chief Controller of Imports and Exports, Ministry of Commerce (which expression shall be deemed to include the JCCI&E|DCCI&E or any other licensing authority for the time being authorised to perform the duties of JCCI&E|DCCI&E) (hereinafter called the 'Government') for the sum of Rs. \_\_\_\_\_ (in figures and words) to be paid to the Government on written demand of the Government.

Whereas the above named Importer has applied for a Gold Imprest Licence under the Gold Imprest Licensing Scheme notified by the Govt. of India.

Whereas the Government has permitted the Importer to import gold of 0.995 fineness and has agreed to issue the Gold Imprest Licence No \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ for a value of US\$ \_\_\_\_\_ (both in figures and words) for the import of the said item on the terms and conditions specified in the aforesaid scheme.

And whereas the Importer has agreed to export the goods, namely, Plain\*|Studded Gold Jewellery of 8 carats and above and of the value US \$ \_\_\_\_\_ (indicate the full value of export obligation in US \$).

And whereas the Importer has agreed to furnish an Indemnity-cum-Guarantee Bond in consideration of the 'Government' agreeing to issue the Gold Imprest Licence with an export obligation of US \$ \_\_\_\_\_. The Importer has also agreed to earn foreign exchange equivalent to the amount of export obligation mentioned hereinbelow.

Whereas the Guarantor has agreed and undertaken to pay the guaranteed amount on demand by the Government in consideration of the Government agreeing to the issue of the above licence.

And whereas the importer has agreed to perform the export obligation and realise foreign exchange to the extent of US \$ \_\_\_\_\_ FOB. Each consignment of import endorsed on the licence will individually carry an export obligation which the importer will have to fulfil within a period of 120 days from the date of clearance of each consignment of gold by exporting Plain\*|Studded\* Gold Jewellery of 8 carat and above on the conditions given below :—

- (a) (i) That the importer will earn foreign exchange in US \$ sufficient to discharge export obligation according to the remittances in US \$ of each consignment by exporting Plain\*|Studded\*\* Gold Jewellery of 8 carat and above to GCA countries within a period of 120 days of each importation as aforesaid and realise foreign exchange in US \$. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation and exports to Nepal if made otherwise than against payment in free foreign exchange (in US \$) will not qualify for redemption of export obligation. Foreign exchange earned in US \$ for the purpose is defined as foreign exchange in US \$ inflow as a result of exporting Plain\*|Studded\* Gold Jewellery of 8 carat and above.
- (ii) That the aforesaid export obligation will start from the date of clearance of each consignment.
- (b) That the said Gold Imprest Licence issued to the importer shall be non-transferable.
- (c) Before clearance of each consignment of import is allowed, the importer shall furnish a bank guarantee for an amount equal to Rs. \_\_\_\_\_ (the difference between the international and domestic price of gold of 0.999 fineness). The said bank guarantee will be liable to be forfeited in full or equivalent to the shortfall if the importer does not meet their obligation as stipulated.

(d) That the said Importer shall deliver or caused to be delivered to the concerned Joint Deputy Chief Controller of Imports & Exports within one month from the date of expiry of the aforesaid 120 days export evidence such as certificates from Nationalised or Scheduled Bank in original showing realisation of foreign exchange in US \$ against exports of above mentioned goods in fulfilment of the export obligations and such other documents as may be demanded by the Jt. Dy. Chief Controller of Imports and Exports as evidence, in support of the foreign exchange earned in US \$ in fulfilment of the terms of conditions of this Indemnity-cum-Guarantee Bond.

- (e) That the importer further, agrees and undertakes that in the event of the importer's default in meeting the export obligation or realisation of foreign exchange in US \$ in full as set out in the conditions as specified under the Gold Imprest Licensing Scheme the importer would be liable to the Government instituting legal action against them for confiscation of the imported material and other rights available to the Government under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 and Imports (Control) Order, 1955 and other provisions/ rules formulated by the Govt. relating to the said import. The importer further agrees that the confiscation proceedings may be initiated by the Government at any time before or after the completion of export obligation period.
- (f) That the importer further agrees and undertakes to abide by all the penal provisions of the Import & Export Policy|Hand Book of Procedures as also under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 and Rules framed thereunder to be invoked against them in case of default as may be decided by the Govt., which decision shall be final and binding on the importer.

Now, the conditions of the above bond are as follows :—

- (i) That the importer shall faithfully comply with all the obligations under the scheme notified by the Government and conditions specified in the import licence and other stipulation specified hereinabove.
- (ii) That the Guarantor Bnk, do hereby expressly and irrevocably undertake and guarantee that if the Importer fails to fulfil the whole or part of the obligations under the Gold Imprest Licensing Scheme including the conditions stipulated on the licence or if the importer is not able to furnish any information required under the terms and conditions of the licence and the Rules

framed under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 and Imports (Control) Order as amended or the rules framed thereunder or if there is any other failure of any kind whatsoever on the part of the Importer under the terms specified in the licence scheme etc. whereby the said amount be demanded by the Government in whole or in part for any reason whatsoever, on the written demand of the Government, we the Guarantor Bank, shall forthwith without any demur and without reference to the Importer pay to the Government or to any officer authorised by the Govt. in this behalf any sum demanded by the Govt. from the Importer and also indemnify to Guarantee the payment upto maximum of Rs.

- (iii) That notwithstanding any right, Government may have directly against the Importer or notwithstanding any dispute raised by the Importer in any form, the Government's written demand shall state necessary details to the Guarantor Bank that the payment is demanded from the Guarantor Bank, under the terms and conditions of the aforesaid licence including the terms specified hereinabove and such demand by the Government shall be final and binding upon the Guarantor Bank.
- (iv) That the Guarantor Bank, shall not be discharged or released from this undertaking and the Guarantee by any arrangement, variations between the Govt. and the Importer, any indulgence to the Importer by the Govt. with or without the consent or knowledge or any alteration in the obligations of the importer, or any forbearance whether as to a payment, time, performance or otherwise.
- (v) That this Guarantee by the Guarantor Bank shall remain valid and in full force until all the obligations under the aforesaid licence including the terms as specified above are duly accomplished to the full satisfaction of the Government and till the said satisfaction is reported by the Government to the Guarantor Bank.
- (vi) That the above named Indemnity Bond by the Importer and the Guarantee by the Guarantor Bank shall be continuing Indemnity-cum-Guarantee Bond and shall not be discharged by any change in the constitution of the Importer or of the Guarantor Bank. It is further indemnified by this Indemnity-cum-Guarantee Bond by the importer and Guarantor Bank that the payment by the Guarantor Bank to the Govt. under this Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be made forthwith on the receipt of the written demand of the Govt. or any officer authorised by the Government in this behalf.

- (vii) That in the event of the importer not being able to fulfil the export obligation undertaken by it or realise the foreign exchange as aforesaid, the said Importer shall on the instructions of the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports, or the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi hand over to any agency as the Government (including CCI&E) may nominate the imported material left unutilised with the Importer for disposal in any manner and the amount so received by such sale shall be deposited with the Government towards the fulfilment of the export obligation after deducting the normal commission and other expenses incurred by the said agency. The decision of such Agency as to the said price would be final and binding on importer.
- (viii) The Importer further undertakes to pay in addition simultaneously a sum equivalent to the value of import licence referred to above or to the extent of goods imported against the said licence whichever is higher by way of liquidated damages to the Govt. and the decision of JCCI&E/DCCI&E shall be final and binding on the Importer.
- (ix) That this Indemnity-cum-Guarantee Bond is executed by above named Importer and the Guarantor Bank for the purpose of an act involving public interest.
- (x) That the payment of the amount demanded by the Govt. under this Indemnity-cum-Guarantee Bond from the Guarantor Bank will not affect the liability of the Importer to any other action including the initiation of legal proceedings for confiscation of the imported material and refusal of further licences and all other liabilities and penalties and the consequences under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947, Imports (Control) Order of 1955 as amended that may be decided by the Government under the Import Trade Control Regulations.
- (xi) That the above named Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be void after all the obligations of the Importer or the Guarantor Bank herein are fulfilled to the full and final satisfaction of the Government as specified above and when such satisfaction is communicated to the Guarantor Bank by the Government.
- (xii) That the Indemnity-cum-Guarantee Bond and the obligations of the Importer and the Guarantor Bank thereunder shall remain in full force for a period of 2 years and if all the obligations of the Importer are not duly discharged to the full and final satisfaction of the Government in the said period, the Guarantor Bank and the Importer agree and undertake to renew and revive the period

of validity of this Indemnity-cum-Guarantee Bond for a further period as may be required by the Government.

In witness whereof the above named parties hereto have duly executed this bond on this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 199\_\_\_\_, signed, sealed and delivered by the above named Importer and the Guarantor Bank in the presence of :—

Witnesses\* :

1. \_\_\_\_\_ 1. \_\_\_\_\_ (full and expanded description of the Importer/importer firm).  
 2. \_\_\_\_\_ (To be authenticated/affirmed by 1st class Magistrate/Notary public)  
 1. \_\_\_\_\_ 2. \_\_\_\_\_ (full and expanded description of the Guarantor Bank)  
 2. \_\_\_\_\_ for and on behalf of the Notionalised/Scheduled Bank by the authorised officer of the Bank with the Seal of the Bank.

#### NOTE

For the Importer and the Bank :

1. If the importer is a sole proprietary firm, the Indemnity-cum-Guarantee Bond is to be executed by the sole proprietor of the said sole proprietary firm along with his permanent complete address.
2. If the importer is a partnership firm, the Indemnity-cum-Guarantee Bond is to be executed in the name of the partnership firm through all the partners or managing partners as may be specified in the partnership deed.
3. If the importer is a limited Company, the Indemnity-cum-Guarantee Bond should be executed by the Executive Director or Managing Director of the Limited Company with the seal of the Company.

(\*Delete whichever is not applicable).

#### ANNEXURE-II

#### APPENDIX-XXI-H

#### FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF GOLD IMPREST LICENCE

(To be submitted separately for export of Plain Gold Jewellery and Studded Gold Jewellery).

#### PART-I

Name and address of the Applicant.

2. Name of Industry :  
  - (i) Address & Location of Factory.
  - (ii) End-products manufactured therein.
3. Nature of the concern, whether, Public Company or Private Ltd. Company or Partnership or Proprietorship Concern.
4. Name of directors, partners, Proprietors or Karta of the Hindu Undivided family as the case may be.
5. Are you a manufacturer exporter| merchant exporter|Export House| Training House|Star Trading House.
6. (i) No. & date of Registration certificate issued by the Export Promotion Council| Commodity Board|FIED and date upto which it is valid.  
 (ii) FOB value. Product-group for which registered.
7. If Export House|Trading House|Star Trading House and indicate No. & Date of Export House|Trading House|Star Trading House certificate and the date upto which it is valid.
8. If manufacturer exporter, give Registration No. allotted by :  
  - (i) DGTD in the case of firms borne on the list of DGTD.
  - (ii) State Director of Industries in the case of SSI Units.
  - (iii) Any other authority competent to register a unit as a manufacturer.
9. Bank Receipt|Demand Draft, No. & Date towards payment of application fee (Bank receipt|demand draft to be attached in original).
10. (i) CIF Value of licence applied for.  
 (ii) Description of the materials sought to be imported.
11. Is the application against a specific export order? If yes, indicate :  
  - (i) Items of export covered by the export order(s) (Attach copy of export order).
  - (ii) FOB value.
  - (iii) Name and address of foreign buyer and the country of export.
  - (iv) Delivery period of export product(s) covered by the export order(s).

(v) Indicate mode of payment.  
 (vi) Amount of Commission or discount paid or payable to the foreign agent on exports governed by the application.

12. Past Performance :—

(i) Particulars of previous exports. Attach statement giving the following particulars :—

(a) Description of Gold Plain/Studded Jewellery exported during the preceding three licensing years (separately for each year).

(b) F.O.B. value of exports, (productwise in respect of (i) above) (separately for each year).

(c) FOB value of the product to be exported for which the licence is required.

(d) Unit value of the latest exports of the same product exported by the applicant (the date of export also).

(ii) Was any Gold Imprest Licence issued in the past ?

(iii) If so, whether the export obligation against the licence is still outstanding.

(iv) If the export obligation either in part or in full remains to be completed, please give the particulars of the same as under:—

(a) Licence number and date

(b) Name of the licence issuing authority.

(c) Time limit allowed for fulfilling the export obligation

(d) Licence-wise value of the export obligation fixed

(e) value of the export obligation already fulfilled against each licence.

(f) Reasons for not fulfilling the export obligation.

(v) Total CIF value of unutilised Gold Imprest Licences against which imports have not been made.

(vi) Total c.i.f. value of Gold Imprest licences for which import applications are pending with the licensing authorities.

## DECLARATION

1. I/we hereby declare that if this licence is granted, the goods will be utilised only for consumption as raw materials.

2. I/we hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/we fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature \_\_\_\_\_

Name in Block Letters \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Full Residential Address \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_